

प्रेषक,

शैलेश बगौली,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

निदेशक,
पर्यटन निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पर्यटन अनुभाग

देहरादून दिनांक 16 मार्च, 2016

विषय:- वित्तीय वर्ष 2015-16 में राज्य सेक्टर की ट्रेकिंग मार्गों का सुधार/विकास के अन्तर्गत प्रस्तावित योजनाओं की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-97/2-6-471/2015-16, दिनांक 22 जून, 2015 व पत्र संख्या-434/2-6-749/2015, दिनांक 23 दिसम्बर, 2015 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में राज्य सेक्टर के अन्तर्गत ट्रेकिंग मार्गों का सुधार/विकास योजनाओं हेतु प्राविधानित धनराशि ₹ 50.00 लाख में से निम्नलिखित 03 योजनाओं हेतु आगणित लागत ₹ 28.16 लाख के सापेक्ष उनके सम्मुख कॉलम-4 में अंकित धनराशि अर्थात् कुल ₹ 14.99 लाख (रूपये चौदह लाख निन्यानवे हजार मात्र) की प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए व्यय किये जाने हेतु निम्न शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(रूपये धनराशि लाख में)

क्र. सं.	योजना का नाम,	आगणन की लागत	टी0ए0सी0 वित्त द्वारा संस्तुत धनराशि	वर्ष 2015-16 में स्वीकृत धनराशि
1	2	3		4
1	विकास खण्ड भिलंगना से मासरताल-महिडाण्डा तक ट्रेकिंग मार्ग का मरम्मत एवं यात्री शैड का निर्माण।	12.81	11.32	5.00
2	विकास खण्ड भिलंगना के बूढाकेदार से मासरताल तक ट्रेकिंग मार्ग सुदृढीकरण।	15.15	11.85	5.00
3	विकास खण्ड भिलंगना के पर्यटक स्थल हटकुणी में ट्रेकिंग मार्ग का निर्माण।	4.99	4.99 (पेटी वर्क्स)	4.99
	योग :-	32.95	28.16	14.99

- उपरोक्त क्रमांक-3 के कार्यों हेतु प्रस्तुत आगणन का तकनीकी परीक्षण नहीं कराया गया है। अतएव वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश-88/xxvii(3) कार्य/2005, दिनांक 24 फरवरी, 2005 में की गयी व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाय जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए तथा एक मद की धनराशि दूसरे मद में कदापि व्यय न की जाय।
- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाये तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाये।
- विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

- (vii) स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।
- (viii) व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 तथा इसके क्रम में समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
- (ix) आवंटित धनराशि का उपभोग 31 मार्च, 2016 तक कर लिया जाय। अवशेष धनराशि समयान्तर्गत शासन को समर्पित कर दी जाय।
- (x) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत की जा रही है। मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं होगा। बजट योजनावार आवंटन उसके विपरीत मासिक योजनावार व्यय का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- (xi) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (xii) कार्य के प्रति पूर्ण भुगतान करने से पूर्व किसी तृतीय पक्ष से इसकी गुणवत्ता की चेकिंग का कार्य उक्त अनुमोदित लागत से कराये जाने के बाद कार्य अनुमोदित आगणन के अनुसार होने की पुष्टि पर ही भुगतान किया जायेगा। यह दायित्व निदेशक पर्यटन का होगा। अतः निदेशक पर्यटन Third party Monitoring की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें।
- (xiii) कार्यदायी संस्था के निर्धारण में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 2- उपरोक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-26 के लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-संवर्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-53-ट्रेकिंग मार्गों का सुधार/विकास-24-वृहत् निर्माण कार्य के मानक मद के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-442/XXVII(2)/2016, दिनांक 11 मार्च, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- 4- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत अलोटमेंट आईडी-S.16.032-6.027-6.....द्वारा निर्गत किया जा रहा है।

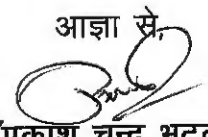
भवदीय,

(शैलेश बगौली)
सचिव।

संख्या:- 543 /VI(1)/2016-03(02)/2011, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल मण्डल।
- 4- जिलाधिकारी, उत्तरकाशी, टिहरी को इस आशय से प्रेषित कि उक्त योजना की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का कष्ट करें।
- 5- जिला पर्यटन विकास अधिकारी, उत्तरकाशी, टिहरी।
- 6- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(प्रकाश चन्द्र भट्ट)
उप सचिव।